केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 294 मंगलवार 19 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अधिमास के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिमास के पहले सोमवार को प्रमुख शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्त भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे थे। शहर के प्रसिद्ध बाबा भदेश्वर शिव मंदिर में लंबी कतारें देखी गईं, जहां पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। इस दौरान 'हर–हर महादेव' के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

श्रद्धालु अपने साथ गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और फूल लेकर पहुंचे तथा विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। मंदिर परिसर में महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की अच्छी खासी भीड़ मौजूद रही। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मंदिर प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। बाबा भदेश्वर मंदिर के साथ ही तिलकपुर स्थित शिव मंदिर और भारीनाथ धाम सहित जिले के अन्य शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखने को मिली। ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिरों के बाहर प्रसाद, फूल–माला और पूजा सामग्री की दुकानों पर दिनभर चहल–पहल बनी रही। पंडित काशी बाबा के अनुसार, ज्येष्ठ मास में भगवान शिव की पूजा–अर्चना और जलाभिषेक का विशेष महत्व होता है। उन्होंने बताया कि इस महीने के सोमवार को श्रद्धा भाव से शिव पूजन करने पर भगवान भोलेनाथ भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं तथा जीवन में सुख–शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नवविवाहिता का शव लटका मिला एक हफ्ते पहले हुई थी शादी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परशुरामपुर थाना क्षेत्र के हरिगांव में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे के अंदर फंदे से लटका मिला। शादी के महज एक सप्ताह बाद हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही गांव में भारी संख्या में लोग जुट गए। जानकारी के अनुसार, हरिगांव निवासी सोनम (26) पत्नी रोहन की शादी लगभग एक सप्ताह पहले ही हुई थी। रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे कमरे से कुछ आवाज आने पर परिजन मौके पर पहुंचे। दरवाजा खोलने पर सोनम का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका मिला।

परिजनों ने तत्काल महिला को नीचे उतारा और आनन–फानन में एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परशुरामपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच–पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है और गांव में भी इस मामले को लेकर विभिन्न चर्चाएं हो रही हैं। थानाध्यक्ष विश्वमोहन राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, फॉरेंसिक टीम और पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत चुनाव में आरक्षण के लिए ओबीसी आयोग को मंजूरी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की सबसे बड़ी बाधा को सोमवार को योगी आदित्यनाथ सरकार ने दूर कर दिया। योगी सरकार ने बड़ा दांव चलते हुए सोमवार को पंचायत चुनाव में आरक्षण के लिए समर्पित ओबीसी आयोग को मंजूरी दे दी। योगी कैबिनेट के इस फैसले से यूपी में सियासी हलचल बढ़ गई है। माना जा रहा है कि सब कुछ ठीक रहा तो इस साल सर्दियों में गांव की सरकार चुन ली जाएगी। अक्टूबर–नवंबर तक यूपी में पंचायत चुनाव कराए जा सकते हैं।

पार्टी सिंबल पर न होने के बावजूद राजनीतिक दलों के लिए पंचायत चुनाव खासे महत्वपूर्ण होते हैं। अगले साल यानी 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव से पहले यह उनके लिए अपनी ताकत आजमाने और दिखाने का अवसर होगा। ऐसे में अब एक बार फिर गांव से लेकर, ब्लॉक और जिला पंचायत स्तर तक जोर शोर से तैयारियां दिखने लगी हैं। भावी उम्मीदवारों ने फिर से समर्थकों को सक्रिय करके जनसंपर्क शुरू कर दिया है।

समर्पित ओबीसी आयोग के गठन के साथ ही अब यूपी में पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। नया समर्पित ओबीसी आयोग प्रदेश में रैपिड सर्वे करेगा। इस सर्वे के जरिए ही पिछड़ों की वास्तविक आबादी का पता लगाया जाएगा। फिर उसी के अनुसार सीटों का आरक्षण लागू होगा।

हत्या मामले में दोषी के गिरफ्तारी की मांग को लेकर भीम युवा वाहिनी ने दिया धरना: मांगे न मानी गई तो पुनः होगा आन्दोलन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद के नेतृत्व में मण्डलायुक्त कार्यालय परिसर में हत्या के एक मामले में पैकोलिया थाना क्षेत्र के पैकोलिया पाली निवासी घनश्याम को मुख्य अभियुक्त बनाये जाने की मांग किया। अनिश्चित धरने को सीओ सिटी के आश्वासन पर स्थगित कर दिया गया।

मण्डलायुक्त को दिये पत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव और अजय राव उर्फ प्रमोद ने कहा है कि पैकोलिया थाना क्षेत्र के पैकोलिया पाली निवासी तिलकराम की गत 8 अप्रैल को साजिशन हत्या कर दिया गया था। इस मामले में पीड़िता की पत्नी दुर्गावती ने पति के हत्यारों में से मुख्य आरोपी घनश्याम पुत्र जेठू का नाम मुकदमें में बढ़ाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्यवाही कराते हुए तत्काल गिरफ्तार कर सजा दिलाये जाने की मांग किया किन्तु कोई सुनवाई नहीं की गई। सम्बन्धित विभाग के द्वारा अभी तक मृतक तिलकराम का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। मांग किया कि धारा बढाते हुये घनश्याम की गिरफ्तारी करने के साथ ही तिलकराम का मृत्यु प्रमाण–पत्र जारी कराया जाय। मृतक तिलकराम के हत्या के पूर्व में साजिशन की वाइस रिकार्डिंग की जांच कराते हुए संलिप्त दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही कराया जाय। चेतावनी दिया कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगे न मानी गई तो पुनः धरना दिया जायेगा।

धरना देने वालों में संदीप कुमार गौतम, सत्यम कुमार, अनिल कुमार, दुर्गावती, सुरेन्द्र कुमार, रंगीलाल, शनि कुमार, पुनीता, अमित कुमार, रायदा कुमार, सत्यम के साथ ही पीड़ित परिवार के सदस्य और भीम युवा वाहिनी के कार्यकर्ता, पदाधिकारी शामिल रहे।

27 वीं पुण्यतिथि पर याद किये गये कर्मचारी आन्दोलन के पुरोधा बी. एन. सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–संघर्षो को किया नमन्, प्रेरणा लेकर आन्दोलन तेज करने पर जोर

बस्ती । सोमवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य, पूर्व एम.एल.सी. बी. एन. सिंह को उनके 27 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित संगोष्ठी में बी. एन. सिंह के योगदान पर विमर्श किया गया।

अध्यक्षता करते हुये परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने वीएन सिंह के योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वे कर्मचारियों के पुरोधा थे, यदि आज वे जीवित होते तो कर्मचारी पुरानी पेंशन हासिल कर चुके होते। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल और मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि कर्मचारियों को बीएन सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिये कि उन्होने घोर संकटों का सामना करते हुये भी सरकारों को मांगो को मनवाने के लिये बाध्य कर दिया। कर्मचारियों को उन्होने नकदीकरण, बोनस, केन्द्र के समान अनेक भत्तों, मृतक आश्रित नियुक्ति आदि की सुविधा दिलायी। कर्मचारी उनके संघर्षो से प्रेरणा लेकर अपने अधिकारों को लेकर संघर्षरत रहे। कहा कि आज कर्मचारी अनगिनत चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनके अधिकार एक–एक कर छीने जा रहे हैं। अभी न चेते तो आने वाला समय कर्मचारियों के लिये और चुनौतीपूर्ण होगा। ऐसे में हमें अपनी एकजुटता बनाये रखकर मांगों के समर्थन में आन्दोलन तेज करना होगा, यही कर्मचारियों के बड़े नेता बी.एन. सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि सरकारें एक–एक कर पूर्व से मिलने वाली अनेक सुविधाओं को समाप्त कर रही है। मांगों को अनसुना किया जा रहा है। ऐसे में आन्दोलन की धार तेज करना होगा।

कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्रा, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ के अध्यक्ष ई. अभिषेक सिंह, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डल मंत्री ई. राजेश श्रीवास्तव, ग्राम्य विकास मिनीस्ट्रीरियल मंत्री सुजीत कुमार, पेंशनर्स कल्याण संस्था के अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरैशी, मंत्री बद्री प्रसाद चौधरी, कृषि मिनीस्ट्रयल कर्मचारी संघ के मंत्री अमन प्रताप सिंह, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश आदि ने वी. एन. सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि यदि आज वे जीवित होते तो पुरानी पेंशन के साथ ही उत्पीड़न के अनेक मामलो का समाधान हो गया होता। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनके पद चिन्हों का अनुसरण करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वी.एन. सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से मो. कलीम, अखिलेश शरण पाण्डेय, गोवर्धन उपाध्याय, आलोक चौधरी, उमेश वर्मा, गौरीशंकर, राजेश कुमार, जोखन राम, प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, संतराम, राम सागर, अनिल कुमार, दिनेश कुमार, प्रेमचन्द्र, मनोज कुमार, राधेश्याम, कौशल कुमार चौधरी के साथ ही विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे। अंत में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया गया।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में निशाने पर रही भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा को जनता देगी करारा जबाब-सत्यनरायन पटेल
-बूथ स्तर पर संगठनात्मक मजबूती पर जोर

बस्ती। केरल में सरकार बनाने से उत्साहित कांग्रेस ने यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुये जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच जाकर संवाद और रणनीति बनाना तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को कांग्रेस की संगठनात्मक समीक्षा बैठक राजकीय इण्टर कालेज के निकट स्थित होटल एनआर के सभागार में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने संगठन की मजबूती के साथ पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। महंगाई, बेरोजगारी और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ सरकार की पहचान बन चुकी है। वर्तमान समय में किसान, युवा, व्यापारी समेत प्रत्येक वर्ग बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी से परेशान है। कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतरेगी। कहा कि भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही भाजपा को जनता करारा जबाब देगी । प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद ने कहा कि पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता बूथ स्तर पर समीक्षा करने के साथ ही कांग्रेस के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े। कहा कि पेपर लीक वाली भाजपा सरकार से समाज के सभी वर्गो का भरोसा उठता जा रहा है। यह सरकार कार्य की जगह नफरत फैलाने, लोगों को बांटने का काम कर रही है। इससे सावधान रहना होगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित संगठनात्मक समीक्षा बैठक को मुख्य रूप से पूर्व विधायक अंबिका सिंह, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेंद्र श्रीवास्तव, अनिरुद्ध त्रिपाठी, ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' रामभवन शुक्ल, बृजेश आर्य शौकत अली नन्हू, बाबूराम सिंह डा. वाहिद अली सिद्दीकी, संदीप श्रीवास्तव, डा. आलोक रंजन आदि ने सम्बोधित करते हुये जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती पर जोर दिया। कहा कि देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस से उम्मीद लगाये हुये है। इस पर खरा उतरना होगा। भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का जवाब हमें विकास और भाईचारे के संदेश से देना है।

कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा किं युवाओं का कांग्रेस से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि अब देश की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि आगामी 2027 के विधान सभा चुनाव में जिले के पांचों विधान सभा सीटों पर कांग्रेस पार्टी ऐतिहासिक जीत दर्ज करने का काम करेगी। इसके लिये बूथ स्तर की तैयारियां निरन्तर जारी है।

संगठनात्मक समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से अलीम अख्तर, कौशल त्रिपाठी, गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, अमरदेव सिंह, डॉक्टर दीपेंद्र सिंह, रामबचन भारती, श्रवन पाण्डे, अमर बहादुर शुक्ला, इस्तिखार अहमद, सुरेंद्र मिश्रा, उमेश उपाध्याय, रामप्रीत दुसाधा, मनोज सिंह, रामबाबू कल्पू, अजय सिंह, राम बहादुर सिंह, बृजभान कनौजिया, संजीव त्रिपाठी, राज कपूर, सुनील पाण्डेय, दिलीप श्रीवास्तव, रविंद्र सिंह राजन, आलोक त्रिपाठी, रविंद्र चौधरी शुभम गांधी, विश्वजीत शुभम, देवी प्रसाद पाण्डेय, सलाहुद्दीन, लालजीत, गुड्डू सोनकर, लक्ष्मी यादव, मीरा सिंह, दूधनाथ पटेल, राहुल चौधरी, आनन्द निषाद, अशरफ अली, फजले आजम, रफीक खान, मनीष दुबे, हरिनाथ द्विवेदी, सर्वेश शुक्ला, शोभित चौधरी, अखिलेश साहनी, शब्बीर अहमद, प्रेम सागर, वीरेंद्र सिंह, मो. आरिफ खान, राज बहादुर निषाद, अजय कुमार शुक्ला, मंजू पाण्डेय, जमीर खान, पवन तिवारी, साधु पांडे, सचिन चौधरी, हरिनाथ द्विवेदी, संजय गुप्ता के साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

हत्या व संपत्ति विवाद मामले में कार्रवाई की मांग, डीआईजी को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र निवासी वंश बहादुर वर्मा ने पुलिस उपमहानिरीक्षक, को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा अपराध संख्या 0208/2023 में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच तथा परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में वंश बहादुर वर्मा ने कहा है कि उनकी भाभी उर्मिला देवी, हनुमान चौधरी समेत अन्य लोगों ने उनके पिता स्वर्गीय राम अहंकोरे चौधरी की चल एवं अचल संपत्ति को कथित रूप से धोखाधड़ी कर अपने नाम करा लिया। आरोप है कि संपत्ति अपने नाम कराने के बाद एक सुनियोजित साजिश के तहत उनके पिता की हत्या कर दी गई।

पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने कई बार थाना कप्तानगंज में शिकायत की, लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र दिया गया, फिर भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बाद में न्यायालय के हस्तक्षेप पर मुकदमा अपराध संख्या 0208/2023 दर्ज किया गया, लेकिन अब तक मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि वर्तमान समय में पीड़ित और उसके परिवार को लगातार भय, धमकी एवं उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उन्होंने निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से चार प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें नामजद आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, आरोपियों को संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच व कार्रवाई, परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराना तथा मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना शामिल है।

सर्राफा व्यापारियों ने डीएम को सौपा प्रधानमंत्री को सम्बोधित निवेदन पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

-एक साल तक जेवर न बिके तो बरबाद हो जायेंगे स्वर्णकार
-ज्वेलरी कला को बचाने, आगे बढाने की पहल करें पीएम- कुन्दन वर्मा

बस्ती। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना और पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने जनपद के स्वर्ण व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना और हर स्तर पर वर्तमान में उत्पन्न स्थिति को लेकर सहयोग का आश्वासन दिया। वार्ता के दौरान सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष कुन्दन वर्मा ने प्रधानमंत्री को सम्बोधित 9 सूत्रीय निवेदन पत्र जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष कुन्दन वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक साल तक सोने का जेवर न खरीदने की अपील के साथ स्वर्णकारों का संकट और बढ गया है। इससे पहले से ही मंदी के दौर में चल रहा व्यापार और कठिन हो जाएगा पूरे देश के अगभग 3.5 करोड़ लोग जो इस व्यवसाय से जुड़े है (ज्वेलर्स, कारीगर, श्रमिक परिवार) का जीवन यापन का संकट का विषय है। इससे सर्वाधिक नुकसान मध्यम व छोटे व्यवसायियो का है जो इस इन्डस्ट्री का लगभग 90: है,10:, में ब्राण्डेड व बड़े ज्वेलर्स की संख्या है यह इन्डन्ट्री कुटीर उद्योग के रूप में देश भर में गाँव गली नुक्कड़ तक फैला है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री वास्तविकता को समझते हुये समस्या का समाधान करायें।

प्रधानमंत्री को सम्बोधित 9 सूत्रीय निवेदन पत्र में कहा गया है कि व्यापार घाटे कारण फारेन रिर्जव में कमी होती है उर्जा जरूरतों के साथ–साथ, बांडेड कपड़े, जूते, लग्जरी गाड़िया, लग्जरी इलेक्ट्रानिक्स, घरेलू समानो का आयात भी होता है जिसमे विदेशी मुद्रा काफी व्यय होता है इस पर कमी लाई जा सकती है आयल करने वाली कम्पनियों से बात करके अनावश्यक समानो पर प्रतिबन्ध लगाया जा सकता है। सरकार चाहे तो सोने के आयात कम करके अपना बाण्ड निकाल कर देश के अन्दर मौजूद संस्थाओं व व्यक्तियों से बैंको के माध्यम से खरीददारी करके ज्वेलरी उद्योग को उपलब्ध करा सकती है। भारतीय ज्वेलरी की पूरे विश्व में कला के रूप में मान्यता है इसलिए इसके निर्यात के लिए हर प्रदेश में निर्यात सेन्टर बनाकर, विश्व के अन्य देशो में ज्वेलरी नियात के रास्ते प्रशस्त करते हुए योजना बनाकर स्थानीय ज्वेलर्स को जोड़ा जा सकता है।

निवेदन पत्र सौंपने वालों में सर्राफा एसोसिएशन के विश्वनाथ सोनी, प्रभात सोनी, आर्यन, पंकज कुमार वर्मा, जितेन्द्र सोनी, दीपक सोनी, अजीत सोनी, हरिओम लल्ला, विकास सोनी, शिवेन्द्र वर्मा, सपन सर्राफ, विश्वनाथ वर्मा, रामजी बरनवाल, त्रिलोकीनाथ वर्मा, जय प्रकाश सोनी, गोपाल जी, गिरीश सोनी, मनीष अग्रवाल, मनोज सोनी, अमरनाथ सोनी, गोलू जौनपुरी, मनोज वर्मा, जगदीश अग्रहरि, गणेश जी सोनी, शिवकुमार सोनी, रवि सोनी, हरिशंकर, सत्यम, उमाशंकर सोनी, सौरभ, शिवम सोनी, विकास सोनी, सुशील वर्मा, राजेश कुमार, सुनील सोनी, संजय, बब्लू के साथ ही अनेक सरार्फा व्यापारी शामिल रहे।

सपा नेता राजकुमार भाटी के विवादित बयान के विरोध में ब्राह्मण महासभा ने कोतवाली में दिया तहरीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–ब्राह्मण समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं–नवीन दूबे

बस्ती। ब्राह्मणों पर कथित विवादित बयान देने के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सपा नेता के खिलाफ इस मामले में सोमवार को राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा जिलाध्यक्ष नवीन दूबे के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी कोतवाली को तहरीर देकर राजकुमार भाटी के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया।

तहरीर देने के बाद ब्राह्मण महासभा जिलाध्यक्ष नवीन दूबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज के विरुद्ध अत्यंत आपत्तिजनक, अमर्यादित एवं समाज में वैमनस्य फैलाने पाली टिप्पणी की गई है। उनके बयान से सम्पूर्ण ब्रह्मण समाज की भावनाए आहत हुई है तथा समाज में आक्रोग व्याप्त है। ऐसे गैर जिम्मेदाराना एवं भडकाऊ वक्तव्य देकर सामाजिक सौहार्द विगाडने का कार्य करने वाले सपा नेता राजकुमार भाटी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाय।

कोतवाली में तहरीर देने के दौरान पं० मुन्ना शास्त्री, बृजेश शुक्ल, मीडिया प्रभारी सौरभ दूबे, आलोक पाण्डेय, उपेन्द्र शुक्ल, अंकित त्रिाठी, शिवम जायसवाल, विनय तिवारी, योगेश पाण्डेय, ओम प्रकाश ओझा, हृदय नरायन दूबे विशाल पाण्डेय, जय पाण्डेय, अनुराग शुक्ला , नितिन दुबे, दिव्यांशु दुबे, प्रियांशु त्रिपाठी ,राम जी पांडेय राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्ण शक्ति मोर्चा के साथ ही राष्ट्रीय ब्रह्मण महासभा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल की मौत: जांच में जुटी पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के सिसवा बरूआर निवासी बच्चू लाल अग्रहरि पुत्र राम अवध अग्रहरि की शनिवार, 16 मई 2026 की शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के छोटे–छोटे बच्चों और परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार बच्चू लाल अग्रहरि शनिवार की शाम हरिहरपुर चौराहे की तरफ कुछ घरेलू सामान लेने जा रहे थे। इसी दौरान घर से लगभग 10 मीटर की दूरी पर सामने से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि बच्चू लाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने 112 पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल एंबुलेंस से भानपुर अस्पताल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया।परिजनों द्वारा बच्चू लाल को जिला अस्पताल बस्ती ले जाया गया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर वहां से उन्हें कैली अस्पताल भेजा गया। कैली अस्पताल के डॉक्टरों ने भी स्थिति नाजुक बताते हुए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान बच्चू लाल अग्रहरि रविवार को दम तोड़ दिया।

मृतक बच्चू लाल अपने परिवार के मुख्य सहारा थे। परिवार में छोटे–छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक बेटी की शादी हो चुकी है जबकि बाकी बच्चे अभी नाबालिग हैं। उनकी मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

बताया जा रहा है कि बाइक चालक का नाम संजय गौतम पुत्र पलटू निवासी नेताई कला है। दुर्घटना में शामिल बाइक का नंबर यूपी 51 बीटी 3910 बताया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 मई 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

ठगी का जाल

इसमें कोई दोराय नहीं कि आधुनिक तकनीक की दुनिया में डिजिटल सेवाओं ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाया है और आज कई तरह की सुविधाएं आम लोगों की पहुंच में हैं। उम्मीद यह भी की गई थी कि जैसे–जैसे सामान्य कामकाज में डिजिटल संसार का दखल बढ़ेगा, वैसे–वैसे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और भ्रष्टाचार पर काबू पाना आसान होगा। काफी हद तक ऐसा हुआ भी है।

मगर इसके समांतर इसी डिजिटल तंत्र के दायरे में अपराध के नए स्वरूप विकसित हुए और आज यह भारत सहित दुनिया भर में एक नई चुनौती बनते जा रहे हैं। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने शुक्रवार को अब तक के सबसे बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश करने का दावा किया, जिसमें काल सेंटर के नाम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी कंपनी चलाने वाले और ठगी में शामिल एक सौ बत्तीस लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस गिरोह में शामिल लोग दूर बैठे कंप्यूटर तक पहुंच हासिल करते थे या फर्जी वायरस और सुरक्षा चेतावनी के जरिए विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे। लोगों को ई–मेल और बैंक खाते में सेंध लगने का डर दिखा कर उनसे भारी राशि की ठगी की जाती थी।

जाहिर है, डिजिटल दुनिया में जिन आधुनिक तकनीकों को लोगों के जीवन को आसान बनाने और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए ज्यादा बेहतर बताया जाता है, उसी में अब अपराध का ऐसा संजाल खड़ा हो चुका है, जिसमें हर रोज बड़ी संख्या में लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं और अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। पिछले कुछ समय से खासतौर पर ‘डिजिटल अरेस्ट’ के मामलों में खासी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें दूर बैठे अपराधी सिर्फ स्मार्टफोन पर वीडियो काल के जरिए किसी व्यक्ति को एक तरह से बंधक बना लेते हैं और डरा–धमका कर भारी रकम वसूल लेते हैं।

हैरानी की बात यह है कि डिजिटल संसार की अवांछित गतिविधियों पर बारीक निगरानी रखने का दावा करने वाली पुलिस कई बार समय पर अपराधियों को नहीं पकड़ पाती। सच यह है कि इस क्षेत्र में अपराध का दायरा जितना विस्तृत और जटिल होता जा रहा है, उसके मुकाबले सुरक्षा या बचाव के साथ–साथ अपराध पर काबू पाने के इंतजाम नाकाफी हैं।

संकट के समांतर, आर्थिक महाशक्तियां

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे से यह उम्मीद की जा रही थी कि पश्चिम एशिया में संघर्ष का कोई हल निकलेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर गहरा रहे संकट से राहत मिलेगी। मगर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई वार्ता के नतीजों से यह साफ है कि विश्व की आर्थिक महाशक्तियों को बाकी दुनिया की कोई फिक्र नहीं है।

बैठक द्विपक्षीय मसलों पर ही केंद्रित रही और ट्रंप ने इसे ‘जी–2’ देशों का सम्मेलन बताया, जिसमें दोनों देशों के बीच कई व्यापारिक समझौते हुए। सवाल है कि खुद को दुनिया के सबसे ताकतवर बताने वाले देशों की क्या वैश्विक समुदाय के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है, क्या उनकी यह ताकत सिर्फ निहित स्वार्थों तक ही सीमित है? पिछले कुछ वर्षों से विश्व के आर्थिक हितों को देखने के अमेरिका के नजरिए में बदलाव साफ नजर आ रहा है। अब यह साझा उदार मूल्यों पर नहीं, बल्कि महाशक्तियों के प्रभाव क्षेत्रों पर केंद्रित होता दिख रहा है। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि अमेरिका और चीन परस्पर सहयोग कर सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनके बीच तालमेल संभव हो सका, तो वह किस तरह की वैश्विक व्यवस्था तैयार करेगा।

दो देशों का समूह यानी ‘जी–2’ शब्द वर्ष 2005 में अमेरिका के एक प्रमुख अर्थशास्त्री ने गढ़ा था। उनका विचार था कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और चीन के बीच मजबूत साझेदारी होनी चाहिए। इस विचार का उद्देश्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह ‘जी–20’ को और मजबूत करना था। तब वैश्विक वित्तीय संकट से निपटने के लिए ‘जी–20’ की रणनीति के तहत अमेरिका ने शुरुआती दौर में 787 अरब डालर, जबकि चीन ने 586 अरब डालर का प्रोत्साहन पैकेज दिया था। इससे दुनिया को बड़े आर्थिक संकट से बचाने में मदद मिली।

मगर पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट के बीच हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई वार्ता में वैश्विक चिंताओं के बजाय परस्पर हितों की एक नई तस्वीर उभरकर सामने आई है। दोनों देशों के बीच बोइंग विमानों की खरीद समेत कई अहम व्यापारिक समझौते हुए हैं। यानी अब अमेरिका–चीन सहयोग का मतलब यह नहीं है कि उससे दुनिया के बाकी देशों के लिए सकारात्मक माहौल बनेगा, बल्कि यह एक ऐसे निजी समझौते की तरह दिखाई देता है, जिसमें दो महाशक्तियां सिर्फ अपने हित साध रही हैं।

गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने से वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत कई आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है। अमेरिका और ईरान के अड़ियल रवैये की वजह से शांति वार्ता आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसका असर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इसमें दोराय नहीं कि शांति वार्ता के लिए एक प्रभावी मध्यस्थ की जरूरत है और चीन इसमें अहम भूमिका निभा सकता है। मगर अमेरिका और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात में इस मसले को तवज्जो नहीं देने को किस रूप में देखा जाएगा।

खबरों के मुताबिक, इस दौरान ताइवान का मसला जरूर उठा और इस पर चीन ने अमेरिका को चेताते हुए कहा कि यदि इस मुद्दे को सही ढंग से नहीं संभाला गया, तो दोनों देशों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे स्पष्ट है कि इन दोनों महाशक्तियों के लिए वैश्विक संकट के बीच भी सिर्फ अपने व्यापारिक, रणनीतिक और भू–राजनीतिक हित ही सर्वोपरि हैं।

नीट यू जी: सिस्टम के आगे लाचार युवा

–डॉ नीलम महेन्द्रा–

नीट यू जी सिस्टम के आगे लाचार युवाओं के सपनेआज मई की इस तपती दोपहर में देश का भविष्य,हमारा युवा,सड़कों पर खड़ा है। दिल्ली का जंतर–मंतर हो या पटना की गलियाँ, हर तरफ एक ही आवाज गूंज रही है,”न्याय दो!”यह केवल सिस्टम से हताश छात्रों का प्रदर्शन मात्र नहीं है। यह उस भरोसे का टूटना है, जो एक साधारण भारतीय परिवार अपने बच्चे की मेहनत, ईमानदारी और सपनों पर करता है।2024 का घाव अभी भरा भी नहीं था। ग्रेस मार्क्स, पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। जनमानस और छात्रों के आक्रोश के बीच सरकार ने सुधारों का भरोसा दिया, समितियाँ बनीं, नई सुरक्षा तकनीकों की घोषणाएँ भी हुईं। लेकिन 2026 में फिर वही खबरें सामने हैं,छापेमारी, सॉल्वर गैंग, गिरफ्तारियाँ और लीक हुए प्रश्नपत्र।तब सवाल उठना स्वाभाविक है किआखिर गलती कहाँ है?सिस्टम में, नीयत में, या उन लोगों में जिन्होंने शिक्षा को कारोबार बना दिया है?आज सी बी आई राजस्थान के सीकर से लेकर महाराष्ट्र के नासिक तक छापेमारी कर रही है। लेकिन असली प्रश्न यह नहीं कि दोषी कौन है। असली प्रश्न यह है कि हमारा सिस्टम इतना खोखला कैसे हो गया कि 25 लाख छात्रों का भविष्य कुछ माफियाओं की तिजोरियों का गुलाम बन गया।हम किस ”डिजिटल इंडिया” की बात करते हैं, जब देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक को भी पारदर्शी और सुरक्षित तरीके से आयोजित नहीं कर पा रहे? तथाकथित तौर पर अचूक रूप से सुरक्षित प्रणाली बनाने की घोषणा की जाती है,करोड़ों रुपये । निगरानी, बायोमेट्रिक्स, जैमर्स और जी पी एस ट्रैकिंग पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन प्रश्नपत्र फिर भी लीक हो जाता है!इसका अर्थ साफ है किसमस्या बाहर नहीं, भीतर है।दीमक दीवारों पर नहीं, नींव में बैठ चुकी है।समस्या का सबसे भयावह पक्ष यह है कि यह अब कोई स्थानीय गिरोह नहीं रह गया। बिहार से हरियाणा, राजस्थान से महाराष्ट्र तक फैले सॉल्वर नेटवर्क अब शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ”अंडरग्राउंड इंडस्ट्री” बन चुके हैं। परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले टेलीग्राम और व्हाट्सऐप पर प्रश्नपत्र तैरने लगते हैं।यह तकनीकी गलती नहीं, बल्कि सुनियोजित संगठित अपराध है।दुनिया के विकसित देशों में मेडिकल और उच्च स्तरीय परीक्षाएँ पूर्णतः डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल पर आधारित हैं। चीन की गाओकाओ (Gaokao) और अमेरिका की SAT जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक की कल्पना भी राष्ट्रीय संकट मानी जाती है। भारत आज भी करोड़ों प्रश्नपत्र छापकर ट्रकों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों तक भेजने की पुरानी व्यवस्था पर निर्भर है।जब प्रश्नपत्र भौतिक रूप से यात्रा करेंगे, तब लीक की खिड़कियाँ खुली ही रहेंगी।इस संकट का दूसरा पक्ष शिक्षा का खतरनाक बाजारीकरण है। कई कोचिंग संस्थान अब शिक्षा के मंदिर नहीं, बल्कि ”रैंक फैक्ट्री” में बदल चुके हैं। गारंटीशुदा चयन के विज्ञापन , टॉपर पैकेजेस और रिजल्ट मार्केटिंग की अंधी दौड़ ने शिक्षा के नैतिक आधार को कमजोर कर दिया है।जब सफलता केवल रैंक से मापी जाएगी, तब ईमानदारी धीरे–धीरे हाशिए पर चली जाएगी।अब केवल ”कड़ी निंदा” और ”जांच के आदेश” से काम नहीं चलेगा। यदि सचमुच बदलाव चाहिए, तो परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सी बी टी (CBT :Computer Based Test) आधारित बनाना होगा। प्रश्नपत्र परीक्षा शुरू होने से कुछ मिनट पहले एन्क्रिप्टेड डिजिटल सर्वर के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएँ।पेपर लीक में शामिल लोगों की संपत्ति जब्त हो, फास्ट ट्रैक अदालतों में सुनवाई हो, और सजा ऐसी हो कि अगली पीढ़ियाँ भी याद रखें।सरकार को यह समझना होगा कि छात्र कोई वोट बैंक नहीं हैं। वे इस देश की रीढ़ हैं। यदि यही रीढ़ टूट गई, तो विकसित भारत का सपना केवल भाषणों तक सीमित रह जाएगा।एन टी ए (NTA) के अधिकारियों को कभी उस छात्र की आँखों में झाँकना चाहिए, जिसने गाँव की बिजली कटौती के बीच लालटेन जलाकर पढ़ाई की,जिसके परिवार ने कर्ज लेकर उसे कोचिंग कराई,और अंत में उसके हाथ क्या आया?एक लीक हुआ पेपर!एक रद्द परीक्षा! और टूटता हुआ विश्वास!साहब, अब समय मरहम का नहीं, सर्जरी का है।क्योंकि जब युवाओं का भरोसा टूटता है, तब केवल एक परीक्षा नहीं हारती,पूरा राष्ट्र हारने लगता है।

अंकों की चमक में दबता बचपन और शिक्षा

–डॉ. सत्यवान सौरभ–

परीक्षा परिणाम आते ही आजकल विद्यालयों के बाहर एक अजीब सी होड़ दिखाई देने लगती है। कहीं बड़े–बड़े होर्डिंग लगे होते हैं, कहीं रंगीन पोस्टर, कहीं सोशल मीडिया पर लगातार तस्वीरों की भरमार। किसी छात्र के साथ 99:, किसी के साथ 98:, किसी के साथ 97: अंक लिखे होते हैं। विद्यालय इन तस्वीरों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं मानो कोई व्यावसायिक उपलब्धि हासिल हुई हो। देखने वाले अभिभावकों को संदेश दिया जाता है कि यही वह संस्थान है जहाँ ”सफलता” मिलती है। शिक्षा अब धीरे–धीरे ज्ञान का माध्यम कम और प्रचार का साधन अधिक बनती दिखाई दे रही है। यही कारण है कि आज यह प्रश्न गंभीरता से उठने लगा है कि क्या पढ़ाई अब शिक्षा कम और विज्ञापन अधिक बन गई है?

निस्संदेह, मेहनत करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान होना चाहिए। अच्छे परिणाम किसी भी छात्र, शिक्षक और अभिभावक के लिए गर्व का विषय होते हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब विद्यालय केवल कुछ चुनिंदा विद्यार्थियों को ही सफलता का चेहरा बनाकर प्रस्तुत करने लगते हैं। बाकी बच्चे, जिन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार मेहनत की, संघर्ष किया, परिस्थितियों से लड़ते हुए परीक्षा पास की, वे सब इस चमक–दमक में कहीं पीछे छूट जाते हैं। विद्यालय के पोस्टरों पर उनकी तस्वीरें नहीं होतीं, उनके प्रयासों की चर्चा नहीं होती। धीरे–धीरे उनके मन में यह भावना बैठने लगती है कि शायद वे पर्याप्त अच्छे नहीं हैं।

आज शिक्षा का वातावरण अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक हो चुका है। बच्चे अब ज्ञान प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि प्रतिशत हासिल करने के लिए पढ़ रहे हैं। माता–पिता की अपेक्षाएँ, समाज की तुलना और विद्यालयों की प्रचार नीति मिलकर बच्चों पर ऐसा दबाव बना देती हैं कि वे स्वयं को अंकों के तराजू में तौलने लगते हैं। यदि किसी बच्चे के 95: अंक आए हैं तो वह ”प्रतिभाशाली” कहलाता है, लेकिन 70: लाने वाला बच्चा स्वयं को साधारण या कमजोर मानने लगता है। यह सोच शिक्षा की आत्मा के विरुद्ध है।

हर बच्चा अलग होता है। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की साहित्य में, कोई खेल में उत्कृष्ट होता है तो कोई कला, संगीत या तकनीकी कौशल में। लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने सफलता की परिभाषा को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित कर दिया है। विद्यालय भी उसी दिशा में चलते दिखाई देते हैं जहाँ उन्हें अधिक प्रचार और अधिक प्रवेश मिलने की संभावना हो। परिणामस्वरूप बच्चे ”विद्यार्थी” कम और ”रिजल्ट प्रोडक्ट” अधिक बनते जा रहे हैं।

सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इस प्रकार का प्रचार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। जिन छात्रों के अंक अपेक्षाकृत कम आते हैं, वे स्वयं को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं। कई बच्चे अवसाद, तनाव और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। कुछ बच्चे तो इतने दबाव में आ जाते हैं कि वे परिवार और समाज से कटने लगते हैं। आज देश में परीक्षा परिणामों के बाद आत्महत्या जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि उस सामाजिक और शैक्षणिक दबाव का परिणाम है जो बच्चों पर लगातार डाला जा रहा है।

विद्यालयों को यह समझना होगा कि शिक्षा केवल टॉपर बनाने का माध्यम नहीं है। एक योग्य शिक्षक की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि उसके कितने छात्रों ने 95: अंक प्राप्त किए, बल्कि इससे होती है कि उसने कितने बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाया। असली शिक्षा वह है जो बच्चे को जीवन के संघर्षों के लिए तैयार करे, उसे संवेदनशील बनाए, उसके भीतर नैतिकता और मानवता का विकास करे। यदि कोई बच्चा परीक्षा में औसत अंक लाता है लेकिन अच्छा इंसान बनता है, समाज के प्रति जिम्मेदार बनता है, तो वह भी शिक्षा की सफलता है।

आज कई विद्यालय परीक्षा परिणामों को व्यवसायिक रणनीति की तरह इस्तेमाल करते हैं। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, अखबारों में विज्ञापन, शहर भर में बैनरकृयह सब शिक्षा के व्यवसायीकरण का संकेत है। अभिभावक भी इन चमकदार परिणामों से प्रभावित होकर विद्यालय चुनते हैं। उन्हें लगता है कि जहाँ अधिक टॉपर हैं, वही विद्यालय श्रेष्ठ है। लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता केवल कुछ विद्यार्थियों के प्रतिशत से तय नहीं हो सकती। किसी विद्यालय की वास्तविक पहचान इस बात से होनी चाहिए कि वहाँ औसत और कमजोर छात्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है, उन्हें कितना सहयोग और प्रोत्साहन मिलता है।

यह भी सच है कि बहुत से विद्यालय जानबूझकर केवल मेधावी बच्चों पर अधिक ध्यान देते हैं ताकि उनका परिणाम अच्छा दिखाई दे। कमजोर छात्रों को अक्सर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। कई बार उन्हें यह महसूस कराया जाता है कि वे विद्यालय की ”प्रतिष्ठा” पर बोझ हैं। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षा में समान अवसर और समान सम्मान सबसे आवश्यक तत्व हैं। यदि विद्यालय ही बच्चों में भेदभाव करने लगेंगे, तो समाज में संवेदनशीलता कैसे विकसित होगी?

अभिभावकों की भूमिका भी यहाँ महत्वपूर्ण है। कई माता–पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं। ”देखो शर्मा जी के बेटे के 98: आए हैं” जैसे वाक्य बच्चों के आत्मविश्वास को तोड़ देते हैं। हर बच्चा अपनी गति और क्षमता के अनुसार सीखता है। जरूरत उसे समझने और प्रोत्साहित करने की है, न कि उसे लगातार दूसरों से कम साबित करने की। बच्चों को यह महसूस होना चाहिए कि वे केवल अंकों के कारण प्रिय नहीं हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और प्रयास भी महत्वपूर्ण हैं।

हमें यह भी समझना होगा कि जीवन में सफलता का संबंध केवल परीक्षा परिणामों से नहीं होता। इतिहास ऐसे अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है जहाँ औसत या सामान्य छात्र आगे चलकर महान वैज्ञानिक, लेखक, कलाकार, उद्यमी और नेता बने। दुनिया के कई सफल लोग पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में ”टॉपर” नहीं थे। उनका आत्मविश्वास, रचनात्मकता और संघर्ष ही उनकी असली ताकत बने। इसलिए बच्चों को केवल प्रतिशत के आधार पर परखना उनके भविष्य को सीमित करना है।

विद्यालय यदि सचमुच बच्चों को प्रेरित करना चाहते हैं तो उन्हें केवल टॉपर्स की तस्वीरें लगाने के बजाय हर उस छात्र की सराहना करनी चाहिए जिसने मेहनत की है। किसी ने पिछली बार से सुधार किया, किसी ने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई जारी रखी, किसी ने आर्थिक समस्याओं के बावजूद परीक्षा पास कीकृये उपलब्धियाँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग होना चाहिए।

आज जरूरत इस बात की है कि शिक्षा को फिर से मानवीय बनाया जाए। बच्चों को यह सिखाया जाए कि उनका मूल्य केवल रिपोर्ट कार्ड से तय नहीं होता। विद्यालयों में ऐसी संस्कृति विकसित होनी चाहिए जहाँ हर बच्चा सम्मान और आत्मविश्वास महसूस करे। शिक्षक बच्चों के भीतर सीखने की जिज्ञासा जगाएँ, केवल अंक लाने की दौड़ नहीं। शिक्षा तब सार्थक होगी जब वह बच्चों को बेहतर इंसान बनाएगी, न कि केवल बेहतर प्रतिशत दिलाएगी।

सरकार और शिक्षा विभाग को भी इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। विद्यालयों के प्रचार के लिए बच्चों की तस्वीरों और अंकों के अत्यधिक प्रदर्शन पर कुछ दिशानिर्देश होने चाहिए। शिक्षा संस्थानों को यह समझाना होगा कि बच्चे विज्ञापन का माध्यम नहीं हैं। उनकी भावनाएँ, आत्मसम्मान और मानसिक स्वास्थ्य किसी भी प्रचार से अधिक महत्वपूर्ण हैं।

समाज को भी अपनी सोच बदलनी होगी। यदि हम केवल ऊँचे अंकों वालों को ही सम्मान देंगे, तो बाकी बच्चे स्वयं को असफल समझने लगेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा अलग है और हर प्रतिभा महत्वपूर्ण है। कोई बच्चा डॉक्टर बनेगा, कोई कलाकार, कोई किसान, कोई सैनिक, कोई शिक्षककृहर भूमिका समाज के लिए आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य सभी को एक ही साँचे में ढालना नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत क्षमता को विकसित करना होना चाहिए। आज जब पढ़ाई ”विज्ञापन” बनती जा रही है, तब सबसे अधिक आवश्यकता संवेदनशीलता की है। विद्यालयों को बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाना चाहिए, न कि उन्हें तुलना और प्रदर्शन की मशीन बनाना चाहिए। बच्चे प्रतिशत नहीं, भविष्य हैं। उनका सम्मान केवल अंकों से नहीं, बल्कि उनके प्रयास, संघर्ष और सपनों से होना चाहिए।यदि शिक्षा केवल पोस्टरों और प्रतिशतों तक सीमित हो गई, तो हम शायद अच्छे अंक तो पा लेंगे, लेकिन अच्छे इंसान खो देंगे। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा को फिर से शिक्षा बनने दिया जाए, विज्ञापन नहीं।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

वक्त के साथ भारतीय समाज में प्याऊ संस्कृति से परहेज

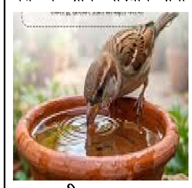

–धीरज बक्श–

कभी राहगीरों को पानी पिलाना भारतीय लोकधर्म और पुण्य माना जाता था, लेकिन आधुनिक जीवनशैली, जल संकट और बाजारवाद ने सदियों पुरानी जलदान संस्कृति को लगभग विलुप्त कर दिया है। सदियों से उत्तर भारत में गर्मियों के मौसम में, विशेषकर बैसाख और ज्येष्ठ के महीने में, प्यासे राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए जल–प्याऊ शुरू किए जाते रहे हैं या लोग स्वयं खड़े होकर गर्मी से बेहाल लोगों को ठंडा पानी अथवा शरबत पिलाया करते रहे हैं। हमारी संस्कृति में प्यास बुझाने को पुण्य का कार्य माना जाता है। लेकिन अब धीरे–धीरे यह संस्कृति गायब होती जा रही है। ज्येष्ठ की तपती दोपहरियों में अब, विशेषकर शहरों में, दूर–दूर तक कहीं सड़क के किनारे या चौराहों के आसपास मिट्टी का घड़ा रखा हुआ दिखाई नहीं देता। जबकि पहले दिल्ली जैसे शहर में लगभग हर सड़क पर एक–आध किलोमीटर के अंतराल पर पेड़ों के नीचे पानी से भरे घड़े रखे रहते थे, जिनसे राहगीर गर्मी के मौसम में स्वयं पानी निकालकर पिया करते थे। कानपुर, लखनऊ, इलाहाबाद और बनारस जैसे शहरों में तो इस दौरान संपन्न और प्रतिष्ठित लोग प्याऊ खुलवाते थे, जहां लोग ‘पानी पी लीजिए, पानी पी लीजिए’ की आवाज लगाकर राहगीरों को पानी पिलाया करते थे। भारतीय समाज की यह तस्वीर केवल एक आतिथ्य दृश्य नहीं थी, बल्कि उस सांस्कृतिक चेतना का हिस्सा थी, जिसमें जल को जीवन, धर्म और पुण्य कृ तीनों का आधार माना गया है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में जलदान को लोकधर्म समझा गया है। आज से 70–80 वर्ष पहले बड़े–बड़े सेठ–साहूकार धर्म के नाम पर कुएं और तालाब खुदवाया करते थे, लेकिन अब यह सारी परंपरा केवल यादों और किताबों तक सीमित होकर रह गई है।

भारतीय संस्कृति में जल का महत्व अत्यंत गहरा है। ऋग्वेद से लेकर पुराणों तक जल को पवित्रता और जीवन का प्रतीक माना गया है। नदियों को मां कहा गया है, सरोवरों को तीर्थ की उपाधि दी गई है और वर्षा को ईश्वर की कृपा माना गया है। इस प्रकार धार्मिक मान्यताओं में जल केवल शरीर की प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि का माध्यम भी रहा है। यही कारण है कि दान की अनेक परंपराओं में जलदान का विशेष महत्व रहा है। विशेष रूप से ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में जलदान को महापुण्य बताया गया है। उस समय पानी किसी व्यक्ति के लिए जीवन बचाने का माध्यम बन जाता है। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, दक्षिण भारत, पंजाब और हरियाणा आदि में बावड़ियों तथा जल संरचनाओं की लंबी परंपरा इस बात की गवाही देती है कि जल संरक्षण और जल सेवा भारतीय जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा रही है। पुराने समय में राजा, व्यापारी और संपन्न परिवार गर्मियों में जलदान के जरिए पुण्य अर्जित किया करते थे। गर्मियों में प्याऊ लगाने की परंपरा से ही सिख धर्म में विशेष रूप से राहगीरों को मीठा शर्बत पिलाने की ‘छबील’ परंपरा विकसित हुई।

शहरों और कस्बों में अनेक धर्मार्थ संस्थाएं, मंदिर तथा स्थानीय लोग बैसाख और ज्येष्ठ की आग बरसाती गर्मियों में ठंडा पानी, नींबू का शरबत, बेल का रस और कहीं–कहीं गन्ने का ठंडा रस भी बांटने की परंपरा निभाते रहे हैं। केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पक्षियों और पशुओं के लिए भी इस मौसम में पानी की व्यवस्था की जाती रही है। लेकिन अब यह परंपरा किसी हद तक केवल पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में ही गिनी–चुनी जगहों पर बची है। बड़े शहरों में तो यह लगभग गायब हो चुकी है, क्योंकि अब जगह–जगह पान की गुमटियों से लेकर परचून की दुकानों तक पानी, शर्बतों और सॉफ्ट ड्रिंक की छोटी–बड़ी बोतलें उपलब्ध हैं। घरों की छतों पर मिट्टी के बर्तन रखना, पेड़ों के नीचे पशुओं के लिए पानी भरना और कुओं की सफाई करना कृ एक समय में मई–जून के महीनों की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ अनुशासित जीवनशैली का हिस्सा हुआ करते थे। लेकिन आधुनिक विकास मॉडल ने इस संस्कृति को न केवल कमजोर किया, बल्कि धीरे–धीरे लगभग समाप्त ही कर दिया। शहरों का फैलाव, कंक्रीट के जंगल, अंधाधुंध भू–जल दोहन और पारंपरिक जलस्रोतों का सूखना कृ ये वे कारण हैं, जिनसे अब जलदान की परंपरा लुप्त होती जा रही है या कई स्थानों पर पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

आज स्थिति यह है कि पुण्य के रूप में पानी पिलाने वाला देश स्वयं गंभीर जल संकट की ओर बढ़ रहा है। तालाब लगभग सूख चुके हैं। केवल 15–20 प्रतिशत तालाब ही दूरदराज के गांवों में बचे हैं। बाकी स्थानों पर या तो हैंडपंप लग गए हैं या नलों के जरिए जल आपूर्ति हो रही है। लेकिन यह व्यवस्था इतनी सीमित और कमजोर है कि जून आते–आते अधिकांश हैंडपंप सूख जाते हैं और जहां नल से जल आता भी है, वहां वह केवल सुबह–शाम कुछ समय के लिए ही उपलब्ध होता है। भू–जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और कई स्थानों पर तो पानी मिलना ही बंद हो गया है। कई बड़े शहर गर्मियों में ‘डे–जीरो’ जैसी चेतावनियों का सामना कर रहे हैं, जहां पीने का पानी अत्यंत सीमित हो गया है। जबकि दूसरी ओर बोतलबंद पानी और सॉफ्ट ड्रिंक हर जगह खरीदने के लिए उपलब्ध हैं।

स्पष्ट है कि सामाजिक रूप से पानी का संकट है, लेकिन कारोबारी रूप से पानी हर जगह उपलब्ध है। यही आज के दौर की सबसे बड़ी सच्चाई है। हालांकि, हाल के वर्षों में अत्यधिक प्रचार–प्रसार के कारण जल संरक्षण के प्रति कुछ जागरूकता अवश्य दिखाई देने लगी है। कई गांव वर्षा जल संचयन, तालाब पुनर्जीवन और पारंपरिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। स्कूलों और सामाजिक संगठनों द्वारा ‘वर्ल्ड वाटर पॉट’ अभियान, प्याऊ सेवा और जल बचाओ आंदोलन चलाए जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ परशुरामपुर कार्यकारिणी का विस्तार, कई शिक्षकों को मिली नई जिम्मेदारियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के निर्देश पर सोमवार को परशुरामपुर की ब्लाक कार्यकारिणी की बैठक संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। संरक्षक सतीश शंकर शुक्ल एवं संरक्षक रक्षा राम द्वारा नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

बैठक में लालेन्द्र कनौजिया को संयुक्त मंत्री, उपाध्यक्ष पद पर सत्य प्रकाश सिंह, अजय कुमार पाण्डेय, भगवान दास, कमलेश कुमार पाण्डेय, प्रफुल्ल कुमार मिश्रा, प्रेम शंकर वर्मा, प्रतिभा देवी, नीरजा पाण्डेय, पूनम चौबे, गीता शुक्ला, पाविती मिश्रा, जसवंती देवी, प्रतिभा निषाद, शोभावती, नवनीत मालवीय, अजीत कुमार पाण्डेय एवं ओम प्रकाश वर्मा को मनोनीत किया गया।

संगठन मंत्री पद पर अभिषेक कुमार पांडे, अंकुर यादव, रजनीश मिश्रा, पांचू प्रसाद, राजबहादुर गुप्ता, अशोक कुमार सिंह, राकेश कुमार मौर्य, रामचंद्र गुप्ता एवं सुनील कुमार श्रीवास्तव को दायित्व सौंपा गया। वहीं राजकमल मिश्रा को ऑडीटर तथा अभिषेक मिश्रा को अकाउंटेंट बनाया गया।

प्रचार मंत्री पद पर पवन कुमार सिंह, महेश विश्वकर्मा, विकास मिश्रा, अजय कुमार पाण्डेय, अजय वर्मा, बृजमोहन कनौजिया, वाचस्पति उपाध्याय, विनय कनौजिया, विनय कुमार सिंह एवं रेहान अंसारी को जिम्मेदारी दी गई। वशिष्ठ मुनि तिवारी को प्रज्ञानमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में संगठन की मजबूती, शिक्षक हितों की रक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सतीश शंकर शुक्ल एवं मंत्री राजीव पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ करने के लिए प्रेरित किया।

बैठक में जिला कार्यसमिति के पदाधिकारी गौरव कुमार तिवारी, अरविंद कुमार पांडे, रविंद्र नाथ, उपेंद्र पांडे, वैभव प्रसाद कनौजिया, पाटेश्वरी प्रसाद सिंह, अभिराम वर्मा, अर्जुन भारती सहित संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील पाण्डेय, सुखराज गुप्ता, राम ललित, अरविंद मिश्रा, देवेंद्र तिवारी, अरविंद गोस्वामी एवं सुरेंद्र कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे। सभी शिक्षक साथियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं सहयोग की सराहना करते हुए बैठक का समापन "शिक्षक हित सर्वोपरि" के उद्घोष के साथ किया गया।

कंबाइन से टकराई टाटा पंच, 4 दोस्तों की मौत, 2 लोग घायल, 20 फिट दूर जा गिरी छत उखड़कर गायब

संवाददाता–बहराइच। तेज रफ्तार टाटा पंच कार की कंबाइन से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार करीब 20 फीट घिसटते हुए सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरी। हादसे में कार में सवार 6 लोग अंदर ही कुचल गए। 4 दोस्तों की मौत हो गई। 2 गंभीर घायल हैं। कंबाइन सड़क किनारे खड़ा था। अचानक सड़क की ओर मुड़ने लगा, तभी सामने से आ रही टाटा पंच कार टकरा गई। भीषण टक्कर के कारण 7 फिट की कार 4 फिट की रह गई। अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार की छत भी उड़ गई। कार चालक का जबड़ा कट गया। वहीं कंबाइन चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ही गोद में शवों को उठाकर मॉर्चुयूरी और अस्पताल भिजवाया। घटना जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर बहराइच नानपारा मार्ग पर मेटरा थाना क्षेत्र के डिगवा पेट्रोल पंप के पास की है। सभी दोस्त नेपाल घूमकर अपने घर लौट रहे थे।

बहराइच के रहने वाले 6 दोस्त टाटा पंच कार से 4 दिन पहले नेपाल घूमने गए थे। रविवार रात अपने घर लौट रहे थे। तभी रात करीब 10रू40 बजे बहराइच–नानपारा मार्ग पर मटेरा थाना क्षेत्र के डिगवा पेट्रोल पंप से करीब एक किलोमीटर आगे पहुंचे थे। तभी रोड साइड से सड़क की ओर टर्न ले रहे कंबाइन से सीधे टकरा गए। टक्कर के बाद कार फिसलते हुए रोड किनारे झाड़ियों में पलट गई। भीड़ जुटती देख कंबाइन चालक गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना पर एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी और मटेरा थाना प्रभारी हरिकेश सिंह पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर सभी लोगों को बाहर निकाला। कार में खून ही खून फैला था। 4 की मौत हो चुकी थी, दो की सांसें चल रही थीं। पुलिस ने शवों को मॉर्च्यूरी भिजवाया। दोनों घायलों को पहले नानपारा सीएचसी भेजा गया। देर रात जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। राम गांव थाना के मुकेरिया गांव निवासी अनिल कुमार (40) पुत्र सुरेश, मेटुकहा गांव निवासी अनिल कुमार (42) पुत्र श्याम नारायण, फतेहपुरवा मोहम्मदपुर गांव निवासी महेंद्र पाल (45) पुत्र राधेश्याम और थाना दरगाह शरीफ के हम्जापुरा गांव निवासी अल्ताफ अहमद (38) पुत्र अब्दुल कादिर के रूप में हुई है। शिवम श्रीवास्तव (30) पुत्र वेदप्रकाश थाना कोतवाली नगर के चित्र शाला रोड निवासी और ब्राह्मणीपुरा निवासी अश्वनी कुमार (30) पुत्र रामकमल के रूप में हुई है। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक महेंद्र पाल मेडिकल स्टोर का संचालन करते थे उनका एक बेटा है। मृतक अल्ताफ नर्सिंग होम में काम करता था। वहीं मृतक अनिल कुमार एक निजी दवा कंपनी में एमआर थे। उनके घर में पत्नी व दो बेटियां हैं। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि कंबाइन से टक्कर होने के कारण यह हादसा हुआ है। चार लोगों की मौत हुई है और दो लोग घायल हैं। हादसे के कारणों की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मटेरा थाना प्रभारी हरिकेश सिंह के मुताबिक, दुर्घटना के संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और फरार चालक की तलाश जारी है।

लखनऊ लाठीचार्ज पर वकीलों का प्रदर्शनः कार्य बहिष्कार कर की नारेबाजी, अधिकारियों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग

संवाददाता–गोण्डा। लखनऊ में अतिक्रमण हटाने के दौरान अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को गोंडा जिले के वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया है। सिविल और बार एसोसिएशन दोनों संगठनों के अधिवक्ताओं ने गोंडा कचहरी में प्रदर्शन किया और लखनऊ पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे।

बार एसोसिएशन गोंडा के अध्यक्ष रवि चंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि लखनऊ में अधिवक्ताओं के साथ मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर अधिवक्ताओं के सामानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए और तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो। इसके साथ ही, अतिक्रमण हटाने की चल रही कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की गई। यह ज्ञापन राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित था, जिसे गोंडा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को दिया गया। अधिवक्ताओं के विरोध प्रदर्शन के कारण सोमवार को गोंडा कचहरी में अपने अलग–अलग काम से आए फरियादियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गोंडा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अधिवक्ता साथी अगली रणनीति बनाकर एक बड़ा आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। अधिवक्ता शिवकुमार यादव ने कहा कि अधिवक्ताओं को गलत तरीके से पहले पर मारा पीटा गया है बहुत ही गलत है अधिवक्ता न्याय की लड़ाई लड़ता है अब उसी के साथ मारपीट की जा रही है इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। पूर्व बार अध्यक्ष गोंडा महाराज श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार अधिवक्ताओं के हित की बात करती है लेकिन जिस तरीके से कल अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज हुआ है बहुत ही गलत है हम चाहते हैं कठोर कार्रवाई हो।

लाठीचार्ज को लेकर बार एसोसिएशन ने राज्यपाल को सौंपा विरोध ज्ञापन

संवाददाता–महराजगंज। अधिवक्ता सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन ने लखनऊ में अधिवक्ताओं के साथ हुई घटना के विरोध में राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल के माध्यम से महामहिम राज्यपाल, राजभवन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को भेजा गया। अधिवक्ताओं ने अपने ज्ञापन में बताया कि लखनऊ में अधिवक्ताओं के चौंबर बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के अचानक ध्वस्त कर दिए गए। इस कार्रवाई से अनेक अधिवक्ताओं के समक्ष गंभीर आर्थिक एवं व्यावसायिक संकट उत्पन्न हो गया है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अपने अधिकारों और समस्याओं को शांतिपूर्वक ढंग से रखने वाले अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, और उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों एवं विधि के शासन की भावना के विपरीत है।

इस घटना से पूरे प्रदेश का अधिवक्ता समाज आहत और क्षुब्ध है। अधिवक्ताओं के सम्मान एवं सुरक्षा की रक्षा करना शासन एवं प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी के माध्यम से पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप मिश्र, महामंत्री प्रमोद कुमार त्रिपाठी, अरविंद प्रताप निषाद, घनश्याम तिवारी, अरुण कुमार सिंह, रंजीत कुमार गुप्ता, कैलाश अग्निहोत्री, पवन कुमार मिश्रा, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, दया शंकर चौबारी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

अयोध्या में ज्योतिषाचार्या ऋतु सिंह को 'शिवाश्री' उपाधि से सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री अयोध्या धाम स्थित जानकीघाट बड़ा स्थान मंदिर में सोमवार को आयोजित आध्यात्मिक समारोह में देश की सुप्रसिद्ध ज्योतिषी ऋतु सिंह को 'शिवाश्री' की उपाधि से सम्मानित किया गया। ज्योतिष अनुसंधान, आध्यात्मिक ज्ञान, भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति तथा शिव सूत्र पर किए गए शोध कार्यों के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण महाराज ने मां किशोरी जी के आंगन में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें उपाधि प्रदान करते हुए कहा कि ऋतु सिंह पिछले कई वर्षों से ज्योतिष एवं सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान संक्रमण काल में सनातन संस्कृति के संरक्षण और प्रसार के लिए समर्पित लोगों की आवश्यकता है तथा ऋतु सिंह निरंतर लगन के साथ इस दिशा में कार्य कर रही हैं।

महंत जन्मेजय शरण महाराज ने कहा कि अयोध्या धाम के संतों द्वारा उन्हें 'शिवाश्री ऋतु' की उपाधि प्रदान किया जाना उनके कार्यों का सम्मान है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रभु श्रीराम व मां जानकी की कृपा निरंतर बनी रहने का आशीर्वाद दिया। सम्मान प्राप्त करने के बाद शिवाश्री ऋतु ने कहा कि अयोध्या धाम में संतों का आशीर्वाद मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि वह पिछले लगभग 15 वर्षों से ज्योतिष, शिव कथा एवं सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार में कार्य कर रही हैं। संतों के आशीर्वाद से उन्हें और अधिक उत्साह के साथ धर्म सेवा करने की प्रेरणा मिली है। इस अवसर पर संत–महात्मा, शिष्यगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

16 संस्कार घर–घर पहुंचाने का संकल्प, भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। गुप्तार घाट स्थित गुप्तहरि मंदिर में रविवार को सनातन धर्म रक्षा महासंघ के तत्वावधान में संगोष्ठी एवं संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में सनातन संस्कृति के संरक्षण, वैदिक परंपराओं के प्रचार–प्रसार तथा 16 संस्कारों को घर–घर तक पहुंचाने के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि संस्कारों के पुनर्जागरण और समाज की एकजुटता से ही भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है। कार्यक्रम का संचालन आचार्य धर्मदास ने किया, जबकि अध्यक्षता भार्गव मुनीश महाराज ने की। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता भार्गव मुनीश महाराज ने कहा कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चक्रेश नारायण का उद्देश्य सनातन परंपरा के 16 संस्कारों को प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संस्कारों का संरक्षण केवल धार्मिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है।

उन्होंने बताया कि देवीपाटन मंडल में इस अभियान पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। मंडल प्रभारी घनश्याम पांडेय के नेतृत्व में गोंडा नगर अध्यक्ष रंजीत पांडे एवं उनकी टीम ने मात्र एक माह में 151 परिवारों में विभिन्न संस्कार संपन्न कराए हैं। इनमें जातकर्म, अन्नप्राशन, चूड़ाकरण और नामकरण संस्कार प्रमुख रूप से शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू धर्म में वर्णित 16 संस्कार मानव जीवन को दिशा देने वाले आधार स्तंभ हैं। गर्भाधान से लेकर अंत्येष्टि तक होने वाले ये संस्कार व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से परिपक्व बनाते हैं। नामकरण, अन्नप्राशन, उपनयन और विवाह जैसे संस्कार व्यक्ति में अनुशासन, कर्तव्यबोध और नैतिक मूल्यों का विकास करते हैं। धार्मिक विद्वानों ने कहा कि संस्कार केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को मर्यादा और सद्गुणों से जोड़ने की प्रक्रिया हैं। बैठक में अधिक मास के महत्व पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इस अवधि में भगवान शिव की आराधना, जप, तप एवं दान का विशेष महत्व होता है। इसी क्रम में नागेश्वरनाथ मंदिर के समीप राम की पैड़ी पर पूरे अधिक मास के महत्व में रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन आचार्य मोहन पांडे के नेतृत्व में संपन्न होगा। कार्यक्रम में आचार्य शिवशंकर, रोहित सिंह, उदय बाबा, जगन्नाथ पांडे, आचार्य सतीश, संदीप सिंह, मनोज गुप्ता, आचार्य हरिओम, शिवनंदन, आचार्य ओंकार तथा महंत घनश्याम दास समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गैस, डीजल–पेट्रोल की महंगाई व किल्लत पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। घरेलू व कमर्शियल गैस सिलेंडर, डीजल व पेट्रोल की बढ़ती कीमतों तथा आपूर्ति में कमी के विरोध में सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला मुख्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। डीएम कार्यालय के सामने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

जिलाध्यक्ष विजय सिंह एडवोकेट ने कहा कि गैस सिलेंडर, डीजल व पेट्रोल के लगातार बढ़ते दामों से गरीब, मध्यम वर्ग, छोटे व्यापारी व किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। वर्तमान में लगन व विवाह समारोहों का सीजन चल रहा है, ऐसे में गैस सिलेंडर की किल्लत से लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। इसके बावजूद समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, जिससे आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डीजल–पेट्रोल की महंगाई से खेती–किसानी की लागत कई गुना बढ़ गई है। सिंचाई, जुताई व अन्य कृषि कार्य महंगे होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इससे उत्पादन लागत बढ़ने के साथ किसानों की आय प्रभावित हो रही है। इस दौरान विनोद कुमार सिंह, राजू गुप्ता, त्रिभुवन नारायण मिश्रा, झीनकू चौधरी, सदा मोहन उपाध्याय, आनंद कन्नौजिया, राममिलन, शिवपूजन, पूर्णवासी, जीतेन्द्र, अनिल चतुर्वेदी, रेखा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मानव सेवा की मिसाल बना 'अस्वस्थ संत सेवा आश्रम', 38 वर्षों से असहाय संतों का बन रहा सहारा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या जहां एक ओर भक्ति, साधना और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र मानी जाती है, वहीं दूसरी ओर यहां मानव सेवा का ऐसा अनूठा अध्याय भी लिखा जा रहा है, जो सनातन संस्कृति की मूल भावना को जीवंत करता है। मंत्रार्थ मंडपम के निकट स्थित "अस्वस्थ संत सेवा आश्रम" पिछले लगभग 38 वर्षों से उन असहाय, बीमार और निराश्रित संतों की सेवा में समर्पित है, जिन्हें समाज अक्सर उपेक्षा की दृष्टि से देखता है। सड़कों, घाटों और गलियों में बीमारी और लाचारी से जूझ रहे संतों व गरीबों के लिए यह आश्रम किसी आशा की किरण से कम नहीं है। यहां बिना किसी प्रचार–प्रसार के निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य किया जा रहा है। आश्रम में अब तक 6500 से अधिक अस्वस्थ संतों का पंजीकरण कर उनका समुचित उपचार कराया जा चुका है, जबकि समय–समय पर लगाए गए सेवा शिविरों के माध्यम से हजारों संतों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 1988 में स्थापित इस आश्रम का संचालन परम सिद्ध संत राम हर्षण दास महाराज के शिष्य राजकुमार दास कोठारी महाराज अपनी टीम के साथ कर रहे हैं। आश्रम के सेवक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर ऐसे बीमार और असहाय संतों को खोजते हैं, जिनकी सुध लेने वाला कोई नहीं होता। उन्हें आश्रम लाकर पहले साफ–सफाई कराई जाती है, घावों का उपचार किया जाता है और फिर चिकित्सकीय देखरेख में इलाज शुरू कराया जाता है। आश्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां आर्थिक स्थिति को कभी सेवा के मार्ग में बाधा नहीं बनने दिया जाता। जरूरत पड़ने पर गंभीर रोगों का महंगा उपचार भी आश्रम की ओर से कराया जाता है। सेवा कार्य में लगे लोगों का कहना है कि यह प्रयास केवल दया नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उत्तरदायित्व का भाव है। राजकुमार दास कोठारी महाराज ने बताया कि गुरुदेव के आशीर्वाद और आदेश से इस सेवा प्रकल्प की शुरुआत की गई थी, जो आज भी निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि जो संत गंभीर रूप से अस्वस्थ होते हैं, उनका पूरा उपचार आश्रम की ओर से कराया जाता है, चाहे बीमारी कितनी भी बड़ी क्यों न हो। वहीं जिन लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है, उन्हें उचित परामर्श देकर उपचार के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि आश्रम केवल चिकित्सा केंद्र नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक आध्यात्मिक अभियान है। यहां सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म माना जाता है और भविष्य में भी निराश्रित, गरीब एवं असहाय संतों की सेवा निरंतर जारी रहेगी। रामनगरी अयोध्या अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, लेकिन "अस्वस्थ संत सेवा आश्रम" यह संदेश देता है कि धर्म केवल पूजा–अर्चना तक सीमित नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा ही उसका वास्तविक स्वरूप है। उपेक्षित लोगों को अपनाने का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणा बनता जा रहा है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद सं0–61/2026

अमरनाथ–सायल

1–अमरनाथ पुत्र शिव प्रसाद ग्राम महादेवरी तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम डाकघर भदावल तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–05–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 19–07–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल निगरानी सं0–42/2023

अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सुमन्त सिंह

बनाम

प्रहलाद सिंह आदि

1. प्रहलाद सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल निगरानी सं0–41/2023

अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सुमन्त सिंह

बनाम

प्रहलाद सिंह आदि

1. प्रहलाद सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0

रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–T201817140108056

धारा 34 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार सदर तहसील हर्रैया जिला बस्ती

महेन्द्र कुमार वर्मा

बनाम

बैजनाथ

1. महेन्द्र कुमार वर्मा पुत्र रामरतन वर्मा साकिन गौहनिया तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती उ0प्र0

तारीख पेशी 19–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत शिवपुर वि.खं. सल्टौआ गोपालपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **शिवपुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **शिवपुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 23–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 04:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 18–05–2026 से दिनांक 23–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **शिवपुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **शिवपुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **शिवपुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(कोदई) प्रधान ग्राम पंचायत—**शिवपुर**
(अरूणेश पाल) सचिव ग्राम पंचायत—**शिवपुर**

सेवा निवृत्ति से पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों ने किया सम्मानित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को कुदरहा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी सी.पी. गौड़ को सेवा निवृत्त से पूर्व शिक्षको ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय बानपुर में सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी के नेतृत्व में खंड शिक्षा अधिकारी सीपी गौड़ को सम्मानित कर उनके योगदान, कार्यशैली को सराहा। अध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी ने कहा कि अधिकारी होने के बाद भी वह सदैव शिक्षको के कार्यो के लिए तत्पर रहते थे। संगठन के ब्लॉक मंत्री अनूप कुमार सिंह, उपाध्यक्ष विजय गिरी ने अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, माल्यार्पण कर सम्मानित किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी के व्यवहार कुशलता, मृदुभाषी व सरल स्वभाव होने के कारण व शिक्षकों के लिए अति प्रिय रहे हैं और उनका व सुखद सेवा निवृत होना शिक्षकों के लिए एक गौरव की बात है।

इस अवसर पर विवेकानंद, वीरेंद्र चौधरी, चंद्रकांत, बृजेश, राजेश यादव, इंद्रप्रकाश, पवन कुमार, दीपक कुमार, देवमणि त्रिपाठी, विनोद चौधरी, अतुल शुक्ला, सुभाष कुमार, राम नारायण अमित चौधरी, यशपाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

महंगाई से जनता, पेपर लीक से टूटा युवाओं का भविष्य

संवाददाता—गोरखपुर। जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में टॉउन हॉल रानी लक्ष्मी बाई पार्क गोरखपुर में सोमवार को डीजल, पेट्रोल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों, बेलगाम महंगाई और नीट परीक्षा पेपर लीक एवं परीक्षा निरस्तीकरण के विरोध में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ बाइक को रिक्शे पर रखकर महानगर में प्रदर्शन करते हुए पहुंचे। कहा कि महंगाई से जनता टूट रही है। वहीं, पेपर लीक से युवाओं को भविष्य टूट रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी एवं महानगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार निषाद ने स्वयं रिक्शे पर बाइक रख घुमाया और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनता का ध्यान आकर्षित किया। राजेश राजेश कुमार तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में महंगाई चरम पर है। युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों ने आम आदमी का जीना मुश्किल कर दिया है। महानगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार निषाद ने कहा कि नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पेपर लीक और परीक्षा निरस्त होना सरकार की विफलता का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी जनता और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लगातार सड़क से सदन तक लड़ती रहेगीद्द

प्रदर्शन में गोरखलाल श्रीवास्तव, राकेश यादव, सतेंद्र निषाद, नवीन सिन्हा, महेंद्र मिश्रा, अनिल सोनकर, डॉ चिन्मय पाण्डेय, राजीव कुमार पाण्डेय, गणेश मिश्रा, प्रमोद नायक, हजारी लाल जायसवाल, श्रीश उपाध्याय, उत्कर्ष पाण्डेय, विशाल तिवारी, अनवर हुसैन, संतोष उपाध्याय, संतोष सिंह, ज्ञानेंद्र शाही, हौसिला पाण्डेय, हरिसेवक त्रिपाठी, विक्रमादित्य, के सी भारती, पानमती शर्मा, कालंजय तिवारी, मनोज यादव, गुलाम ताहिर, तस्लीम अंसारी, गणेश पाण्डेय, रामाशीष यादव, रामशब्द ओझा, प्रभात चतुर्वेदी, अम्बिका प्रसाद, रामसमुझ सावरा, रामनवल सिंह, प्रभाकर राय, सूर्य नारायण राव, अविनाश पति तिवारी, ज्ञान नारायण शाही, कोदई तिवारी, शंकर प्रसाद, हरिश्चंद्र अग्रहरि, राजकुमार यादव, बालमुकुंद चतुर्वेदी, जय कुमारसहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 636/ 2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
रामवृक्ष
बनाम
सिदेश्वरी देवी आदि

1. सिदेश्वरी देवी उम्र करीब 60 वर्ष तथाकथित निवासी ग्राम पंचायत सियाभारी राजस्व ग्राम खजुरिया गर्वी तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर हाल मुकाम सिद्धार्थनगर वार्ड नं0–8 जिला रूपनदेही अंचल (प्रान्त) कपिलवस्तु राष्ट्र (देश) नेपाल

तारीख पेशी 28–05–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **28–05–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 18.05. 2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

बंजारी पुल के पास पानी में उतराता मिला युवक का शव

संवाददाता—गोरखपुर। फरेन नाले में सोमवार सुबह युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बंजारी पुल के पास पानी में उतराता शव देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों ने युवक की हत्या कर शव नाले में फेंके जाने की आशंका जताई है। झंगहा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब 5रू30 बजे सूचना मिली कि मोतीराम अड्डा क्षेत्र स्थित बंजारी पुल के पास फरेन नाले में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। टीम मौके पर पहुंची तो युवक की पहचान चौरी चौरा के अवधपुर दारोगा जी छावनी निवासी 32 वर्षीय लाल बहादुर निषाद के रूप में हुई। जानकारी होने पर परिजन और गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया। परिवार के लोगों का आरोप है कि लाल बहादुर की हत्या कर शव नाले में फेंका गया है।

रेलवे ट्रैक किनारे मिला बिहार के युवक का शव, ट्रेन से गिरने की आशंका

संवाददाता—गोरखपुर। लुधियाना (पंजाब) कमाने जा रहे बिहार के युवक का शव सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे मिलने से सनसनी फैल गई। युवक समस्तीपुर से लुधियाना जाने के लिए ट्रेन में सवार हुआ था। पुलिस को आशंका है कि सफर के दौरान ट्रेन से गिरने से उसकी मौत हुई है। सुबह करीब सात बजे गढ़वा रेलवे ढाला के पास पोल संख्या 377/12 के निकट गेटमैन ने रेलवे ट्रैक किनारे युवक का शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर पिपराइच पुलिस मौके पर पहुंच गई और पहचान कराने का प्रयास शुरू किया। तलाशी के दौरान युवक के पास से आधार कार्ड और समस्तीपुर जंक्शन से लुधियाना जाने का रेल टिकट मिला।

आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान समस्तीपुर के दलसिंह सराय स्थित हरिशंकरपुर हासिम चक निवासी 24 वर्षीय रंजन राय पुत्र महेश यादव के रूप में हुई। पुलिस को युवक का मोबाइल फोन टूटा मिला था। सिम निकालकर दूसरे मोबाइल में लगाया गया तो उसी दौरान उसकी मां का फोन आ गया। बातचीत में पहचान की पुष्टि हुई। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र ने बताया कि युवक के सिर और सीने पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से गिरने का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। परिवार के लोग गोरखपुर आ रहे हैं।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर जिंदा जला डंपर चालक

आलोक वर्मा, मृतक

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। नगर के शहजादपुर कस्बे के अमरौला वार्ड में सोमवार सुबह हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मिट्टी गिराने के दौरान डंपर का हाइड्रोलिक डाला 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे डंपर में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से चालक आलोक वर्मा की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के चिऊटीपारा निवासी 28 वर्षीय आलोक वर्मा पुत्र सतोष वर्मा आरएलबी भट्ठे पर डंपर चालक के रूप में कार्य करता था। सोमवार सुबह करीब चार बजे वह मिट्टी गिराने के लिए भट्ठे पर पहुंचा था। मिट्टी खाली करने के दौरान उसने डंपर का हाइड्रोलिक डाला ऊपर किया और वाहन आगे बढ़ाने लगा। इसी दौरान डंपर का ऊपरी हिस्सा ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तार के संपर्क में आते ही तेज स्पार्किंग हुई और कुछ ही सेकंड में पूरा डंपर आग की लपटों में घिर गया। आग इतनी भयावह थी कि चालक को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। आलोक मदद के लिए चीखता–चिल्लाता रहा, लेकिन आग की तेज लपटों के कारण कोई भी उसके पास नहीं पहुंच सका। मौके पर मौजूद कई लोग घटना का वीडियो बनाने में जुटे रहे, जबकि चालक तड़पता रहा। देखते ही देखते वह जिंदा जल गया।

घटना की सूचना मिलते ही अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्रीनिवास पांडेय समेत अन्य पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक चालक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक आलोक वर्मा परिवार का बड़ा बेटा था। परिवार में माता–पिता और एक छोटा भाई है। पिता सतोष वर्मा कैटरिंग और मिठाई का काम करते हैं। बेटे की दर्दनाक मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

सीओ सिटी नितीश तिवारी ने बताया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में चेंबर तोड़ने, लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन

संवाददाता—संतकबीरनगर। लखनऊ में प्रशासन द्वारा अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़े जाने और विरोध कर रहे वकीलों पर लाठीचार्ज के विरोध में सोमवार को जिले के अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। सिविल बार एसोसिएशन और जनपद बार एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर से जिलाधिकारी कार्यालय तक आक्रोश रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए घटना पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

रैली का नेतृत्व सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ईश्वर चंद पाठक और जनपद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इसमें चेंबरों के पुनर्निर्माण, प्रभावितों को मुआवजा और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई।

विरोध सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ईश्वर चंद पाठक ने कहा कि अधिवक्ताओं के चेंबरों को बलपूर्वक ध्वस्त करना लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा आघात है। उन्होंने जोर दिया कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार अत्यंत निंदनीय है। पाठक ने कहा कि अधिवक्ता समाज अपने सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा।

जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार चौधरी ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध कर रहे अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि जिन अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़े गए हैं, उनका शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए और घायल अधिवक्ताओं को उचित मुआवजा दिया जाए। चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–81/2023
सुभाष कुमार आदि
बनाम
राजेन्द्र आदि

1– राजेन्द्र आयु लगभग 30 वर्ष पुत्र कुमारे 2– कुमारे आयु लगभग 60 वर्ष पुत्र मतई 6– करमचन्द आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र भारत 7– नन्दलाल आयु लगभग 25 वर्ष 8– नेबूलाल आयु लगभग 20 वर्ष पुत्रगण श्री मुराली 9– निशा आयु लगभग 30 वर्ष पत्नी तुलसीराम 12– जीते आयु लगभग 40 वर्ष 13– कमलेश आयु लगभग 35 वर्ष 14– कोइल आयु लगभग 34 वर्ष पुत्रगण फौजदार 16– मनीष आयु लगभग 25 वर्ष पुत्र ध्रुव 20– बुझारत आयु लगभग 30 वर्ष 21– भगवानदीन आयु लगभग 25 वर्ष पुत्रगण महँगी निवासीगण ग्राम संसारपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जनपद बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

तारीख पेशी 01–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–151/2025
आशाराम (मृतक) आदि
बनाम
अरूण कुमार आदि

1– अरूण कुमार उम्र लगभग 61 साल 2– चन्द्र कुमार उम्र लगभग 57 साल 3– दिनेश उम्र लगभग 55 साल 4 श्रवण कुमार उम्र लगभग 43 साल 5– सुनील कुमार (मृतक) 5/1 हर्षित उम्र 19 साल पुत्र सुनील कुमार 5/2 अनीता उम्र 48 साल विधवा सुनील कुमार निवासीगण सा० सकरदहा तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–07–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 27 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–439/2023
रामू आदि
बनाम
सुनील कुमार आदि

1–सुनील कुमार उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व. रामप्रीत निवासी ग्राम–रिठिया, तप्पा–दुबखरा, परगना नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती

—प्रतिवादी प्रथम वर्ग

1– हिटलर उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व. रामप्रीत 2–मनोज उम्र लगभग 45 वर्ष 3–राजू उम्र लगभग 40 वर्ष 4–विष्णु उम्र लगभग 35 वर्ष 5–सूरज उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण स्व. रामजग 6–सौरभ उम्र लगभग 35 वर्ष, साकिनान–ग्राम–रिठिया, तप्पा–दुबखरा, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 23–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैं मुस्तून निशा पत्नी फिदा हुसैन ग्राम तिगोड़िया, थाना रुधौली, जनपद बस्ती की निवासिनी हूं मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम मुस्तून निशा है जबकि कुछ अन्य अभिलेखो में मेरा नाम खुशबुन निशा हो गया है । मुझे मुस्तून निशा के नाम से जाना व पहचान जाए।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com

कार्यालय ग्राम पंचायत टिनिच शुक्ल वि.खं. सल्टौआ गोपालपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **टिनिच शुक्ल** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **टिनिच शुक्ल** के निविदा बाक्स में दिनांक 23–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 18–05–2026 से दिनांक 23–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **टिनिच शुक्ल** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **टिनिच शुक्ल** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **टिनिच शुक्ल** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(रामदीन शुक्ल) प्रधान ग्राम पंचायत—**टिनिच शुक्ल**
(अरूणेश पाल) सचिव ग्राम पंचायत—**टिनिच शुक्ल**

कार्यालय ग्राम पंचायत चौकवा वि.खं. सल्टौआ गोपालपुर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **चौकवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **चौकवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 23–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 01:15 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 18–05–2026 से दिनांक 23–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **चौकवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **चौकवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चौकवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(सुदामा देवी) प्रधान ग्राम पंचायत—**चौकवा**
(अमरनाथ गौतम) सचिव ग्राम पंचायत—**चौकवा**